

सुविधा

ज्ञान ही वह नींव है जिस पर
सफलता का झांडा लहरा सकता है।

प्रभात मन्त्र

prabhatmantra.com

पृष्ठ 12 | मूल्य 4 रुपये

RNI No. - JHAHN/2014/59110

पोस्टल रजिस्ट्रेशन : आरएन /257/2024-26

तजा सुनने के लिए देखा



टोजा का समय

इप्टार (22.03.24) : शाम 06:02 बजे
सेहरी (23.03.24) सुबह 04 : 28 बजेSreeleathers
66 K-ROAD, BISTUPUR

विचक न्यूज़

साइबर ठगों ने पद्मश्री से सम्मानित डॉक्टर से ठग लिए 2 करोड़ रुपये

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक प्रतिष्ठित डॉक्टर से जालाजाने ने दो लाख रुपये से अधिक की ठगी की है। जालाजाने द्वारा ठगों ने बाद एक श्री से सम्मानित डॉक्टर की ईटी की रात करीब 9.15 बजे गिरफ्तार कर लिया। ईटी ने पहले 10वाँ समय जारी किया औं उक्त बाद उनके आवास पर पहुंची। जहां सीएम से दो घंटे तक पूछताछ की। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। सीएम की गिरफ्तारी दिल्ली शराब घोटाले में हुई है। इस मामले में वह 16वाँ गिरफ्तारी हुई है। बता दें कि शाम सात बजे ईटी की टीम सीएम के सम्मानित डॉक्टर से पहुंची थी। ईटी ने पूछताछ में 20 से ज्यादा सवाल पूछे। सूत्रों ने बताया कि केजरीवाल को तो गिरफ्तार कर लेंगे, लेकिन हर शहर, गांव, कस्बे में केजरीवाल की जो सोच पैदा होगी, उसे कैसे गिरफ्तार करेंगे?

एशियाई शेरों की अकाल गौतम पर हाई कोर्ट ने जाताई चिंता

अहंदाबाद : गुजरात कई कोर्टों ने एशियाई शेरों की अकाल गौतम को लेकर सत्त-सजावन याचिका पर सुनवाई करते हुए शेरों पर नायागंगी जाती है।

गुजरात न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल की खाड़ीपत ने गुजरात के गिर जगल में पाए जाने वाले एशियाई शेरों की जीत पर चिंता जाती है। कोर्ट ने रेलवे से जगत मांग है कि स्टीडी नियन्त्रण और फैसिंग के बारे में विवार कर लाया है। इस जानकारी ने शपथपत्र दाखिल करने को कब तक जानकारी के अनुसार गिर के गंगल में अधिक एशियाई शेरों हैं। गिर से शेरों की पिछले 2 साल में 184 शेरों की जीत हुई है। उन्होंने 32 शेरों की जीत दुरुस्त में हुई है। जानकारी के अनुसार एशियाई शेर पूर्ण चिंता में सिर्फ गुजरात के गंगल में ही नाप जाते हैं। गिर से बेकर रेलवे लाइन गुजरती है, जो अमरेती से अलग-अलग जगहों की ओर जाती है। इन जगहों पर रेलवे को ड्रॉगों लाइन नहीं जाली है। शेरों की जीत के गांगों में कोर्ट ने आगामी दिनों में सुनवाई दी गी।

केंद्र सरकार ने झागुनों की पूर्व विधायक सीता सोरेन को दी जेड श्रेणी की सुरक्षा

रांची : झारखण्ड मुक्ति नीर्वाची की पूर्व विधायक सीता

सोरेन ने दी जेड श्रेणी की सुरक्षा दी है। सीता सोरेन ने शीते 19 मार्च को झागुनों से इस्टीफा देने के तुरंत बाद दिल्ली में गांगा की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। जेड श्रेणी ने 22 कार्यालयों की सुरक्षा होती है, जिसमें 4-6 एनएसजी कागों और पुलिस कर्मी शामिल होते हैं। झारखण्ड पुलिस नियन्त्रण कार्यालय में राज्य सुरक्षा कार्यालय समिति की शैठक हुई थी। इस बैठक के दौरान झारखण्ड के विधायिक, अधिकारी एवं विधायिकों के आसान खाली की सुरक्षा की गई। समीक्षा के बाद जेड प्लस, जेड, गार्ड प्लस, वाई एंड एसके कैटरेनों में सुरक्षा में सभी लोगों को स्ट्राई गया है। पूर्व गुरुग्रामी हेटर सोरेन की प्रती एंड एजनीटी में कठन रख चुकी कल्पना सोरेन को भी अब वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। राज्य पुलिस ने कुल 11 लोगों की सुरक्षा की समीक्षा की गई।

चुनाव आयोग ने सार्वजनिक किया चुनावी चढ़े का डेटा, वेबसाइट पर डाली जानकारी

नई दिल्ली : डेट्रीय चुनाव आयोग ने एसीआई की

ओपीपीपी एवं अधिकारी को जब उनकी जानकारी

को गुरुवार को गुरुवार को जब उनकी जानकारी



संक्षिप्त खबरें

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भानु प्रताप की न्यायिक हिंसासं अवधि बढ़ायी गयी

रांची : जगन मोहला नगराले में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बड़गाई अंगठ के उपनिवेशक भानु प्रताप प्रसाद की पैरी तीवियों लोकसंघियों के माध्यम से गुरुगांव को ईडी के लिए न्यायालीय शायें देंगल की अदालत गैरु हुई। कोर्ट ने दोनों की न्यायिक हिंसासं की अवधि घाट अपैल तक बढ़ा दी है। अब दोनों की अगली पैरी कोर्ट ने घाट अपैल को देंगी। इससे पूर्व हेमंत सोरेन को ईडी को 13 दिनों तक रिमांड पर लेकर पूछाछी की थी, जबकि भानु प्रताप को 12 दिनों की रिमांड पर लेकर पूछाली थी गई थी। इसके बाद दोनों को न्यायिक हिंसासं में बिला बार 28 मार्च से 7 अप्रैल तक ईड एक्सपो लगाया जा रहा है जिसका आयोजन रिसालदार शाह बाबा दरगाह कमिटी द्वारा रांची के डोरेंडा स्थित रिसालदार बाबा उपर्युक्त में किया जा रहा है, जहां एक ही परिसर में कपड़े, जूते, चप्पल, चूपी, जेलरी, कॉकरी आइटम, खिलोने, सेवई, ड्राइ फूड, आचार पापड़ के साथ फूड के अनेकों प्रकार रहेंगे। ये सभी स्टॉल झारखंड के साथ साथ कम्पीर, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कोलकाता, राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि देश के अलग अलग राज्य से अपने विभिन्न प्रकार सामानों के साथ उपलब्ध रहेंगे। अपील कुछ स्टॉल के लिए जगह सबह से लेकर शाम तक गली मोहल्ले के चक्र लगाएगी। इद

रिसालदार शाह बाबा दरगाह मैदान में 11 दिवसीय ईड एक्सपो का होगा आयोजन

रांची : डोरेंडा स्थित रिसालदार शाह बाबा दरगाह के कार्यालय में प्रेस काफेस किया गया जिसमें बताया गया कि रांची के इतिहास में बहली बार 28 मार्च से 7 अप्रैल तक ईड एक्सपो लगाया जा रहा है जिसका आयोजन रिसालदार शाह बाबा दरगाह कमिटी द्वारा रांची के डोरेंडा स्थित रिसालदार बाबा उपर्युक्त में किया जा रहा है, जहां एक ही परिसर में कपड़े, जूते, चप्पल, चूपी, जेलरी, कॉकरी आइटम, खिलोने, सेवई, ड्राइ फूड, आचार पापड़ के साथ फूड के अनेकों प्रकार रहेंगे। ये सभी स्टॉल झारखंड के साथ साथ कम्पीर, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कोलकाता, राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि देश के अलग अलग राज्य से अपने विभिन्न प्रकार सामानों के साथ उपलब्ध रहेंगे। अपील कुछ स्टॉल के लिए जगह सबह से लेकर शाम तक गली मोहल्ले के चक्र लगाएगी। इद



लेना चाहते हो वे दरगाह कमिटी से इस नंबर 8789059677, 9110054784 संपर्क करें। आज इस अवसर पर दरगाह कमिटी के शहर एम साप से क्रामीण क्षेत्रों में इसकी जानकारी देने हेतु कई प्रचार वाहन को हरा झांडा दिखाकर दरगाह के सदर एवम अन्य अधिकारियों ने रवाना किया जो रांची के विभिन्न इलाकों में लगातार सबह से लेकर शाम तक गली मोहल्ले के चक्र लगाएगी। इद

एक्सपो का उद्घाटन 28 मार्च को किया जाएगा।

इस अवसर पर दरगाह कमिटी के सदर अयूब गदी, महासचिव जावेद अनवर, उपाध्यक्ष रिजवान हसैन, उप सचिव जुलिफ्कार अंती भुट्टो, निर्वाचन पार्षद नसीम गदी उर्फ पपू गदी उपरित्थ होकर मीडिया प्रतिनिधि को ये सारी जानकारियां दी। इस मौके पर उपाध्यक्ष बेलाल अहमद, समेत कमेटी के लोग मौजूद थे।

उपसचिव मो सादिक, कोषाध्यक्ष जैनुल अब्दीन, शाहिद खान, समीर हेजाजी, सरफराज कुरैशी, इब्रार गदी एवम कार्यकारिणी सदस्य नज्जु अंसारी, संपा गदी, अब्दुल खालिक, एजाज गदी, आफताब आलम, साजिद उमर, मो शहजाद, आसिफ नर्सम, असू मिन्हाज, बबतु, अनीस गदी, अपराधिक वेलाल के लिए एक टीम गठित की जा रही है। इस टीम में आचारक विभाग, कर्मसिंहल टैक्स विभाग के साथ-साथ जिला प्रशासन और चुनाव आयोग के अधिकारी होंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देश पर एयरपोर्ट, बस स्टैंड और रेलवे

ट्रैफिक एसपी ने किया औचक निरीक्षण नप गए ट्रैफिक पोस्ट में बैठे पुलिस कर्मी



रांची : पुलिस अधीक्षक यातायात को चुनाव से दूर करें और लोकताक्रिक यातायात को तहस-नस करने की साजिश जाना चाही रही है। भाजपा विधायिका ने सामान करने की कोशिश में सारी स्वीकारित यातायातों को लाभ दिया है। प्रत्यक्ष सोनल शांति ने आजपा पर आरोप लगाया कि कारोबार को चुनाव से दूर करने और लोकताक्रिक यातायात को तहस-नस करने की साजिश जाना चाही रही है। भाजपा विधायिका ने सामान करने की कोशिश में सारी स्वीकारित यातायातों को लाभ दिया है। प्रत्यक्ष सोनल शांति ने आजपा पर आरोप लगाया कि कारोबार को चुनाव से दूर करने और लोकताक्रिक यातायात को तहस-नस करने की साजिश जाना चाही रही है। उल्लेखनीय कि कैंक अंकरांड पैनिंग किया जाना पूरी तरह से सामान्य हो रहा है।

प्रभात मंत्र संवाददाता



कुमार को गिरफ्तार किया गया।

आरोपित बिहार के जाहानाबाद का रहने वाला है।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि

रहा है। जिससे यातायात बिधित हो रही थी। उक पोस्ट पर प्रतिनियुक्त सभी पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों पर कार्यालयी की गई है। यातायात एसपी ने कहा कि जिम्मेदारी के जिसमें पाया गया की पोस्ट पर प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी एवं डीएसपी की उपरित्थि होकर एसपी ने सबूत दिशा निर्देश देते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर सत्रक रहे और पूरी तरह से ऐसे भवन, संवेदनशील बूथों पर नजर नहीं लगाने दे।

रहा है। जिससे यातायात बिधित हो रही थी। उक पोस्ट पर प्रतिनियुक्त सभी पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों पर कार्यालयी की गई है। यातायात एसपी ने कहा कि जिम्मेदारी के जिसमें पाया गया की पोस्ट पर प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी एवं डीएसपी की उपरित्थि होकर एसपी ने सबूत दिशा निर्देश देते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर सत्रक रहे और पूरी तरह से ऐसे भवन, संवेदनशील बूथों पर नजर नहीं लगाने दे।

आरपीएफ ने शराब के साथ आरोपित को किया गिरफ्तार

प्रभात मंत्र संवाददाता



रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) होली पर्व के महेनजर स्टेशनों और ट्रेनों में लिंगेष चौकसी बरत रही है। इसी क्रम में हटिया रेलवे स्टेशन पर जांच अधिकारी चलाया गया। जांच के दौरान एक अंकर को हटिया स्टेशन के लेटरकॉर्म संख्या तीन पर बैठा के

देखा।

कुमार को गिरफ्तार किया गया।

आरोपित बिहार के जाहानाबाद का रहने वाला है।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि

वह शराब बिहार ले जाकर अधिकारी चलाया गया। वरामद शराब का बाजार मूल्य 16 हजार 800 रुपए बताया जा रहा है। आरपीएफ से

गिरफ्तार किया गया।

आरोपित बिहार के जाहानाबाद का रहने वाला है।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि

वह शराब बिहार ले जाकर अधिकारी चलाया गया। वरामद शराब का बाजार मूल्य 16 हजार 800 रुपए बताया जा रहा है। आरपीएफ से

गिरफ्तार किया गया।

आरोपित बिहार के जाहानाबाद का रहने वाला है।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि

वह शराब बिहार ले जाकर अधिकारी चलाया गया। वरामद शराब का बाजार मूल्य 16 हजार 800 रुपए बताया जा रहा है। आरपीएफ से

गिरफ्तार किया गया।

आरोपित बिहार के जाहानाबाद का रहने वाला है।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि

वह शराब बिहार ले जाकर अधिकारी चलाया गया। वरामद शराब का बाजार मूल्य 16 हजार 800 रुपए बताया जा रहा है। आरपीएफ से

गिरफ्तार किया गया।

आरोपित बिहार के जाहानाबाद का रहने वाला है।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि

वह शराब बिहार ले जाकर अधिकारी चलाया गया। वरामद शराब का बाजार मूल्य 16 हजार 800 रुपए बताया जा रहा है। आरपीएफ से

गिरफ्तार किया गया।

आरोपित बिहार के जाहानाबाद का रहने वाला है।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि

वह शराब बिहार ले जाकर अधिकारी चलाया गया। वरामद शराब का बाजार मूल्य 16 हजार 800 रुपए बताया जा रहा है। आरपीएफ से

गिरफ्तार किया गया।

आरोपित बिहार के जाहानाबाद का रहने वाला है।</p

एनडीए का कुनबा बढ़ाने की कोशिश

लाक्ससभा चुनाव का तारीखों के एलान के साथ सियासा हलचल तजह हो गई है। चुनाव से पहले दोनों प्रमुख गठबंधन एनडीए और डिंडिया अपना कुनबा बढ़ाने की कोशिश में लगे हैं। इसी बीच अटकलें लगाई जाने लगी हैं कि भाजपा नीत एनडीए महाराष्ट्र में राज ठाकरे को अपने साथ लाने में जुटा है। इसको लेकर मंगलवार को दिल्ली में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुलाकात की। इस मुलाकात के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। मनसे के एनडीए में शामिल होने की अटकलों के बीच उद्घव ठाकरे ने भाजपा पर तंज कसा है। उहोंने कहा कि भाजपा आलाक्षण्य ठाकरे के नाम को चुनाव की कोशिश कर रही है। लाक्ससभा चुनावों से पहले भाजपा एनडीए के कुबे को बड़ा करने में लगी है। हाल ही में पार्टी ने अधिक प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी और पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के साथ गठबंधन किया। ओडिशा में भी नवीन पटनायक की बीजू जनता दल के साथ गठजोड़ पर चर्चा जारी है। इसी क्रम में भाजपा महाराष्ट्र में मनसे प्रमुख राज ठाकरे को साथ लाने की कोशिश में है। इन खबरों को तब और बल मिला, जब राज ठाकरे दिल्ली पहुंचे। मंगलवार सुबह ठाकरे ने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावडे से मुलाकात की। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच गृह मंत्री शाह के आवास पर लंबी मुलाकात हुई। मुलाकात को लेकर मनसे के वरिष्ठ नेता बाला नंदगांवकर ने कहा कि बातचीत सकारात्मक रही है। महाराष्ट्र में एनडीए गठबंधन में पहले से ही तीन दल शामिल हैं। राज्य में भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुरु) और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित गुरु) की महायुक्त सरकार चल रही है। इसमें अब नए दल मनसे के आने की चर्चा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना अभी किसी गठबंधन में शामिल नहीं है और अकेले ही चुनाव लड़ती रही है। पिछले कुछ महीनों से मनसे और भाजपा के बीच गठबंधन की खबरें आती रही हैं। हाल के दिनों में शिवसेना नेता और मुख्यमंत्री एकान्ध शिंदे और राज ठाकरे के बीच कई बार मुलाकातें हुई हैं। इसके अलावा भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी राज ठाकरे से मुलाकात की। हाल ही में एक साक्षात्कार में देवेंद्र फडणवीस ने कहा था, भविष्य में मनसे कहाँ होगी और किसके साथ होगी, यह समय बताएगा। हम निश्चित तौर पर राज ठाकरे के दोस्त हैं। हमारी बैठक होती है। हम कई विषयों पर बातचीत करते हैं। हालांकि, कुछ दिन पहले राज ठाकरे से जब प्रियंका ने मनसे-भाजपा-शिवसेना गठबंधन के बारे में पूछा तो उहोंने नकार दिया था। अब अमित शाह के साथ मनसे प्रमुख की मुलाकात के बाद गठबंधन की अटकलें तेज हो गई हैं। ये सीटें दक्षिण मुंबई, शिंदे और नासिक हो सकती हैं। इस बीच शिवसेना नेता और मंत्री दीपक केसरकर ने एक बयान में कहा कि अगर मनसे गठबंधन में शामिल होती है तो उन्हें अपने चुनाव चिह्न के बजाय महागठबंधन में एक पार्टी के प्रतीक पर चुनाव लड़ना होगा। केसरकर ने कहा, महाराष्ट्र की 48 सीटों में से उहोंने बटाकर बाकी सीटें बाकी पार्टियों को मिलेंगी। हमें उसी हिसाब से अपनी संख्या तय करनी होगी। वर्तमान में शिवसेना के साथ 13 सांसद हैं। अजित पवार की एनसीपी भी हमारे साथ है। फिलहाल अजित के साथ केवल एक सांसद है, लेकिन उनके विधायकों की संख्या बहुत ज्यादा है। जिन लोकसभा क्षेत्रों में उनके विधायक हैं, वहां उनकी पार्टी का सम्मान किया जाएगा। उसी के अनुसार महायुक्त की ताकत तय होगी। राज ठाकरे, शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के भतीजे हैं। उद्घव ठाकरे के साथ सियासी मतभेद के चलते राज शिवसेना से अलग हो गए थे। इसके बाद 9 मार्च 2006 को राज ठाकरे ने मुंबई में %महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना% नाम से एक अलग पार्टी की स्थापना की। मनसे ने कई अंदेलों के जरिए मराठी अस्मिता का मुद्दा उठाया। पार्टी की स्थापना के एक साल के भीतर ही मनसे को नगर निगम चुनावों का सामना करना पड़ा, जिनमें पार्टी को सफलता नहीं मिली। इसके बाद 2009 में पार्टी ने पहली बार लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ा। 2009 के लोकसभा चुनाव में पार्टी उमीदवारों को अच्छे बोट मिले, लेकिन सीट जीतने के लिए काफी नहीं थे। इसके ठीक छह महीने बाद विधानसभा चुनाव में पार्टी के 13 विधायक चुने गए। चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन को देखते हुए चुनाव अयोग ने पार्टी को चुनाव लड़ने के लिए आधिकारिक चुनाव चिह्न दिया। वर्ष 2010 में पार्टी को रेलवे इंजन चुनाव चिह्न मिला। 2012 में हुए 10 नार निगम चुनावों में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को जबरदस्त सफलता मिली थी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का पहला महापौर नासिक शहर में जीता था। पुणे शहर में पार्टी ने विपक्ष के नेता के रूप में उभरी। इसके अलावा मुंबई-ठाणे शहर में मत प्रतिशत काफी बढ़ गया। साल 2019 एक और चुनाव का साल था, तब विपक्षी दल के रूप में मनसे ने सरकारों की आर्थिक नीतियों का कड़ा विरोध किया। लेकिन जब जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाई गई तो राज ठाकरे ने केंद्र सरकार को बधाई दी। साल 2020 में मुंबई में हुए अधिवेशन में मनसे ने सीएए का समर्थन किया था।

कुछ अलग

हनुमान ने शनिदेव को कैसे किया

एक समय हनुमान, हिमालय पर्वत पर तपस्या में लीन थे।

तभी उनके पास सूर्य-पुत्र शनिदेव पहुंच गए। शनिदेव लोगों को कष्ट देने के लिए आज भी प्रसिद्ध हैं। शनिदेव इसी मंसा से हनुमान के पास गए थे। हनुमान ने शनिदेव से आने का कारण पूछा, तो शनिदेव ने कह दिया, 'मैं लोगों के शरीर में प्रवेश करके उन्हें कष्ट देता हूं और आपके पास भी इसी उद्देश्य से आया हूं।' हनुमान बोले, 'मेरे भीतर तो केवल राम रहते हैं; तुम कहाँ रहोगे?' इस पर शनिदेव ने हंसकर कहा, 'मैं ढाई वर्ष तक मस्तिष्क में, अगले ढाई वर्ष उदर के भीतर और अंतिम ढाई वर्ष उदर से नीचे रहकर व्यक्ति को निर्षक्य कर देता हूं। आपके साथ भी यहीं करूंगा।'

हनुमान तुरंत तैयार हो गए और बोले, 'तो फिर मेरे सिर पर सवार हो जाओ।' शनिदेव ने जैसे ही हनुमान के मस्तिष्क में प्रवेश किया, हनुमान के सिर में दर्द होने लगा। परंतु उन्हें शनिदेव से निपटने का तरीका आता था। उन्होंने एक बड़ी-सी शिला उठाई और अपने सिर पर रख ली। शनिदेव पीड़ा से चिल्ला उठे। लेकिन हनुमान ने उस पर ध्यान नहीं दिया। फिर एक और शिला उठाकर सिर पर रख ली। अब शनिदेव के लिए संकट खड़ा हो गया। वे आए थे हनुमान को कष्ट देने, लेकिन स्वयं कष्ट में फंस गए। ! अब शनिदेव, हनुमान से मोल-भाव करने लगे। 'यदि आप मुझे छोड़ दें, तो मैं आपके कष्ट की अवधि साढ़े सात वर्ष से घटाकर साढ़े सात दिन कर दूँगा।'

इस पर हनुमान तपाक से बोले, 'तुम मेरे लिए अपना नियम मत बदलो। मेरा सिरदर्द जब तक ठीक नहीं होगा, मैं सिर पर शिला रखता जाऊंगा।' हनुमान ने एक और शिला उठा ली, लेकिन इससे पहले कि उसे सिर पर रखते थे, शनिदेव ने बिलखते हुए कहा, 'प्रभु, मुझसे भूल हो गई। मुझे क्षमा कर दीजिए। मैं आपको कभी कष्ट नहीं दंगा।'

हनुमान ने कहा, 'मझे नहीं दंगा।'

नंदीग्राम में किसानों पर गोलीबारी की घटना विनाशकारी साबित हुई।

ममता बनर्जी के लिए कहीं नंदीग्राम न बन जाए संदेशखाली

विकास सक्सेना

स्वतंत्र भारत के एक राज्य में
सत्ताधारी दल का नेता किस प्रकार
महिलाओं को अपनी 'निजी
सम्पत्ति' की तरह 'इस्तेमाल' कर
रहा था यह सुनकर सभ्य समाज वै
किसी भी व्यक्ति की रुह तक कांप
जाए। पीड़ित महिलाओं ने स्वयं
आरोप लगाए हैं कि कबीलाई
संस्कृति की तरह सुन्दर महिलाओं
के घरों पर संदेश भेजे जाते थे कि दे
रात को पार्टी कायालिय पर आ जाए
अन्यथा सफेद साड़ी पहनने के लिए
तैयार रहें। हालात इतने खौफनाक
थे कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडे वहाँ दे
पुरुषों से सरेआम कहा करते थे कि
वह महिला पत्नी भले ही तुम्हारी हों
लेकिन उस पर अधिकार 'हमारा'
है।

अंग्रेजी की एक प्रसिद्ध कहावत है कि एक कील की बजह से पूरा राज्य खो जाता है। इसको स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि कील की बजह से नाल, नाल की बजह से घोड़ा, घोड़े की बजह से युद्ध और युद्ध की बजह से राज्य से हाथ धोना पड़ जाता है। यही हाल लोकतंत्र में भी होता है। कई बार बहुत मजबूत दिख रहे नेता या दल के लिए कोई घटना उसके पतन का कारण बन जाती है। पश्चिम बंगाल इसका जीता जागता उदाहरण है। यहाँ 34 साल के वामपंथी शासन के लिए 14 मार्च, 2007 को नंदीग्राम में किसानों पर गोलीबारी की घटना विनाशकारी साक्षित हुई। कभी राज्य की 80 प्रतिशत से ज्यादा सीटें जीतने वाले वामदलों का आज यहाँ एक भी विधायक नहीं है। वामपंथियों को बेदखल करके यहाँ की सत्ता पर काविज होने वाली ममता बनजी के लिए अब संदेशखाली का मामला वामपंथियों के नंदीग्राम की तरह साक्षित हो सकता है। इसके अलावा अब नागरिकता संशोधन कानून लागू करके केंद्र सरकार ने दीदी के लिए नई मुसीबत खड़ी कर दी है। स्वतंत्र भारत के एक राज्य में सत्ताधारी दल का नेता किस प्रकार महिलाओं को अपनी 'निजी सम्पत्ति' की तरह 'इस्तेमाल' कर रहा था यह सुनकर सभ्य समाज के किसी भी व्यक्ति की रुह तक कांप जाए। पीड़ित महिलाओं ने स्वयं आरोप लगाए हैं कि कबीलाई संस्कृति की तरह सुन्दर महिलाओं के घरों पर संदेश भेजे जाते थे कि वे रात को पार्टी कार्यालय पर आ जाएं अन्यथा सफेद साड़ी पहनने के लिए तैयार रहें। हालात इतने खौफनाक थे कि तृणमूल कांग्रेस के गुण्डे वहाँ के पुरुषों से सरेआम कहा करते थे कि वह महिला पत्नी भले ही तुम्हरी हो लेकिन उस पर अधिकार 'हमारा' है। मामला सामने आने के बाद पश्चिम बंगाल की महिला मुख्यमंत्री ममता बनजी ने संदेशखाली गांव की महिलाओं का शोषण रोकने की जगह उनकी अस्तम से खेलने वाले पार्टी कार्यकर्ता शेख शाहजहां और उसके गुरुओं को बचाने में अपनी राजसत्ता की ताकत का इस्तेमाल किया। मुख्य आरोपित शेख शाहजहां के मामले में ममता बनजी एक के बाद एक गलती करती चली गई। जब खाद्यान्य घोटाले के मामले में पूछताछ के लिए गए ईंडी के अधिकारियों पर शेख शाहजहां और उसके गुण्डों ने हमला किया तो उनको गिरफ्तार कराने की जगह यह जताने की कोशिश की गई कि किस तरह केंद्रीय जांच एजेंसियों को बंगाल में काम करने

त राका जा सकता है। इस घटना का पाया गया न कर्म्मण तु बलों की तैनाती की गई जिससे पीड़ित महिलाओं को नई ताजा मिल गई। उन्होंने शेख शाहजहां के जुलूमों के खिलाफ आवाज बुलाएँ की। लेकिन जब ये महिलाएँ कैमर के सामने आकर अपनी व्यथा सुना रही थीं तु समय राज्य की महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनकी पीढ़ी समझने के बजाए उन पर लाठ्ठन लगा दी। ममता बनर्जी के सवाल हैरान करने वाले थे। वे अपनी पीढ़ी बताने वाली महिलाओं के मुंह ढंकने पर सवाल उठा रही थीं। जबकि दुर्कर्म पीड़िताओं को पहचान उजागर करने पर रोका दी गया था कि उन्होंने अब तक पुलिस शिकायत दर्ज कर्यों नहीं कराई। महिलाएँ बता रही थीं कि जब पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराने जाती थीं तो उन्हें वापस शाहजहां और उसके गुंडों के पास भेज दिया जाता था। शोषण सारी सीमाएँ पार होने के बाद सड़कों पर उतरी महिलाओं ने बाकायदा न्यायालय में शपथ पत्र देकर आप बीती बताई न्यायालय के दबाव में आरोपित शिवु हाजरा, उत्तम सरदार राजा शेख शाहजहां आदि के खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हो गए। प्रवास निदेशालय के अधिकारियों पर हमले के मामले में फरकर चल रहे थे। शेख शाहजहां को 56 दिनों तक सरकार बचाती रही। मामले ज्यादा तूल पकड़ने और न्यायालय से फटकार लगाने आखिरकार उसे गिरफ्तार किया गया पर उसे बचाने के निम्न ममता बनर्जी की सरकार पूरी ताकत से जुटी रही। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद पश्चिम बंगाल की पुलिस शेख शाहजहां को सीबीआई के सुपर्द नहीं किया। इसके बाद अवमानना का मामला दर्ज हुआ तो भी दो घंटा इंतजार कराने के बाद पश्चिम बंगाल की पुलिस ने शेख शाहजहां को सीबीआई

1

राजपत्रिया ने कांग्रेस को अपनों से मायूसी ही केंद्र में दोबारा सरकार बनाने में सफल हुई थी।

के रहम-ओ-करम पर राजनीति करने को मजबूर हो गई है। प्रदेश में ना उसका बोट बैंक बचा है, ना नेता और संगठन। हाँ, यदि हवा-हवाई बातों से पार्टी को फायदा हो पाता तो जरूर यूपी में कांग्रेस टॉप पर होती, लेकिन ऐसा होता नहीं है। आज का मतदाता अपने नेताओं पर बारीकी से नजर रखता है। इस कसौटी में कांग्रेस की टॉप लीडरशिप और गांधी परिवार पूरी तरह से नाकामयाब रहा है। कांग्रेस के विधान सभा और लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के आंकड़े भी चुनाव-दर-चुनाव उसके जनाधार खिसकने के साक्षी हैं। यह गिरावट 1984 के बाद चार दशक में आई है। 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सभी 85 सीटों (तब उत्तराखण्ड की भी पांच सीटें शामिल) पर चुनाव लड़ी थी और 83 सीटों पर जीत हासिल की थी। भले ही तब पूर्व प्रधानमंत्री ईंदिरा गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस के साथ जनभावनाओं का ज्वार था, जिसके सहारे पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपने प्रदर्शन के शिखर को छुआ।



राज या आर वाजपा का एंट्री भर हुआ, लाकेन उसके राजनीतिक विचारधारा कांग्रेस से उलट थी। बीजेपी तुष्टिकरण की जगह हनुत्व की बात करती थी। अयोध्या काशी और मथुरा उसके एंजेड में प्रमुख रूप से शामिल थे। जिससे कांग्रेस हमेशा किनारा करती रही थी। वहाँ क्षेत्री दलों के रूप में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जातिवादी राजनीति को आगे बढ़ा रहे थे। प्रदेश व राजनीति में बदले समीकरणों ने जहाँ दूसरे दलों के लिए

वाली कांग्रेस फिर ऐसे जनाधार को वापस नहीं हासिल कर सकी। आज उसका जनाधार दो प्रतिशत में सिमट गया। दरअसल, प्रदेश में सपा व बसपा के उदय के साथ कांग्रेस पीछे होती गई और भाजपा की प्रखर हितुल्य वाढ़ी ने उसकी राह और मुश्किल कर दी। ब्राह्मण, दर्वाज़ा और मुस्लिम कांग्रेस के परंपरागत बोटर माने जाते सपा के उदय के साथ मुस्लिम कांग्रेस से छिटक कर उस पाले में चला गया। बसपा ने कांग्रेस के दिलात बोट बैंक कब्ज़ा कर लिया। कांग्रेस से मोहभंग के बाद ब्राह्मणों भाजपा का दामन थाम लिया। वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश उत्तरखण्ड के अलग होने के बाद की बात की जाए। कांग्रेस वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में 80 सीटों पर लड़ी थी और 21 सीटों पर जीत हासिल की थी। पिछले दशक में यह कांग्रेस का सर्वाधिक उत्साहित करने वाला प्रदर्शन था। इसके पीछे कांग्रेस की मनरेगा व खाद्य सुरक्षा को लेकर नीतियों की बड़ी भूमिका मानी गई थी। कांग्रेस

रखने में कामयाब नहीं रही। उत्तर प्रदेश में अपना जनाधार वढ़ाने के लिये पार्टी ने कई प्रयोग भी किए। राहुल गांधी के यूपी में पैर पसारने के लिये खुली छूट दी गई, इसके नाते जे उत्सवाधर्थक नहीं आये तो प्रियंका वाडा को प्रदेश का प्रभारी भी बनाया गया, लेकिन बूथ स्टर पर कमज़ोर हुए पार्टी के सामने कार्यकर्ता ओं में पुराना जोश भरना सपना ही रहा। उधर, कांग्रेसी नेता आपस में टांग खिंचाई करते रहे, जिसकी बजह से पार्टी में अंतरकलह भी बढ़ता गया 2014 लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद कांग्रेस के लिए उत्तर प्रदेश में 2009 का अपना प्रदर्शन दोहराने को तरसती ही रही नेहरू-गांधी परिवार का उत्तर प्रदेश से गहरा रिश्ता होने के बाद भी पार्टी खोया दमखम नहीं जुटा सकी। पिछले चुनाव में कांग्रेस रायबरेली की एकमात्र सीट पर ही जीत का स्वाद चख सकी थी। पिछले लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी तक हार गये।

1

23

एक समय हनुमान, हिमालय दोगे, लेकिन दूसरे लोगों को तो कष्ट दोगे।
 —————— भी दोगे।

तभी उनके पास सूर्य-पुत्र शनिदेव पहुंच गए। शनिदेव लोगों को कष्ट देने के लिए आज भी प्रसिद्ध हैं। शनिदेव इसी मंशा से हनुमान के पास गए थे। हनुमान ने शनिदेव से आने का कारण पूछा, तो शनिदेव ने कह दिया, 'मैं लोगों के शरीर में प्रवेश करके उन्हें कष्ट देता हूँ और आपके पास भी इसी उद्देश्य से आया हूँ।' हनुमान बोले, 'मेरे भीतर तो केवल राम रहते हैं; तुम कहां रहोगे?' इस पर शनिदेव ने हसकर कहा, 'मैं ढाई वर्ष तक मस्तिष्क में, अगले ढाई वर्ष उदर के भीतर और अंतिम ढाई वर्ष उदर से नीचे रहकर व्यक्ति को निर्धक्रिय कर देता हूँ। आपके साथ भी यही करूंगा।' हनुमान तुरंत तैयार हो गए और बोले, 'तो फिर मेरे सिर पर सवार हो जाओ।' शनिदेव ने जैसे ही हनुमान के मस्तिष्क में प्रवेश किया, हनुमान के सिर में दर्द होने लगा। परंतु उन्हें शनिदेव से निपटने का तरीका आता था। उन्होंने एक बड़ी-सी शिला उठाई और अपने सिर पर रख ली। शनिदेव पीड़ा से चिल्ला उठे। लेकिन हनुमान ने उस पर ध्यान नहीं दिया। फिर एक और शिला उठाकर सिर पर रख ली। अब शनिदेव के लिए संकट खड़ा हो गया। वे आए थे हनुमान को कष्ट देने, लेकिन स्वयं कष्ट में फंस गए। अब शनिदेव, हनुमान से मोल-भाव करने लगे। यदि आप मुझे छोड़ दें, तो मैं आपके कष्ट की अवधि साढ़े सात वर्ष से घटाकर साढ़े सात दिन कर दूँगा।' इस पर हनुमान तपाक से बोले, 'तुम मेरे लिए अपना नियम मत बदलो। मेरा सिरदर्द जब तक ठीक नहीं होगा, मैं सिर पर शिलाएं रखता जाऊंगा।' हनुमान ने एक और शिला उठा ली, लेकिन इससे पहले कि उसे सिर पर रखते, शनिदेव ने बिलखते हुए कहा, 'प्रभु, मुझसे भूल हो गई। मुझे क्षमा कर दीजिए।' मैं आपको कभी कष्ट नहीं दंगा।' हनुमान ने कहा, 'मझे नहीं रूप उनका भूल हुआ।' यह कहकर हनुमान ने तो सीरी शासी भी सिर पर रख ली। शनिदेव का तो जैसे दम ही निकल गया! उन्होंने विनती की, 'हे रामदूत! दया कीजिए।' मैं आपको बचन देता हूँ कि जो भी आपको स्मरण करेगा, उसे कभी मुझसे कष्ट नहीं होगा।' तब हनुमान ने प्रसन्न होकर शनिदेव को मुक्त कर दिया। इसीलिए कहते हैं, हनुमान का नाम लेने से शनिदेव के कोप से रक्षा हो जाती है। एक अन्य कथा भी प्रसिद्ध है... शनिदेव ने हनुमान का बहुत यश सुना था। शनिदेव को लगा कि यदि वह हनुमान को परास्त कर दे, तो उनका अपना यश बढ़ जाएगा। इस उद्देश्य से शनिदेव ने हनुमान को चुनौती दे डाली। 'हनुमान! मैं ग्रहों में सर्वशक्तिमान शनि हूँ। विश्व 'मेरे नाम से कांपता है। यदि साहस है, तो मुझसे युद्ध करो!' हनुमान, शनिदेव से लड़ने को उत्सुक नहीं था। उन्होंने विनप्रतापूर्वक शनिदेव से कहा, 'मैं बृहद हो चुका हूँ तथा श्रीराम नाम के अतिरिक्त मेरी किसी कार्य में रुचि नहीं है। आप बहुत बलवान हैं, इसलिए आपको अपने समान किसी बलशाली से युद्ध करना चाहिए।' शनिदेव ने हनुमान की विनप्रता को उनकी कायरता समझने की भूल कर दी। इससे शनिदेव का दुस्साहस और बढ़ गया। उन्होंने हनुमान से कहा, 'मैं आ गया हूँ, तो युद्ध किए बिना नहीं जाऊंगा। अन्यथा आप अपनी पराजय स्वीकार कर लीजिए।' तब हनुमान ने शनिदेव का अंहकार तोड़ने का निश्चय किया। उन्होंने शनिदेव को अपनी पूँछ में बांध लिया। शनिदेव छटपटाने लगे, लेकिन बहुत प्रयास करने के बावजूद हनुमान की पकड़ से मुक्त नहीं हो सके। सहसा हनुमान उछले और ऊबड़-च्चाबड़ पथरीले रस्तों पर बेतहाशा दौड़ने लगे। इस दौरान, हनुमान अपनी पूँछ को शिलाओं पर पटकते जाते थे।

भारत के हृदय में, जहां जंगलों और नदियों के समर्पित करते हुए, इस मुद्रे का समर्थन किया। लिंगिक
विवरणों के साथ, यह मुद्रा भारतीय संस्कृति का एक अद्वितीय उदाहरण है।

भारत की बाघ राजकुमारी (दी टाइगर प्रिसेस) के रूप में जानी जाने वाली लतिका की कहानी सिंह शाही विरासत के बारे में नहीं है, बल्कि उन महिलाओं की शक्ति व प्रमाण हैं जो बाधाओं को तोड़ती हैं और साहस और दृढ़ विश्वास के साथ अपनी नियति को आकार देती हैं। एक फोटोग्राफर के रूप में, लतिका ने जंगल के बीचों-बीच जाकर, उसकी सुंदरता और चुनौतियों का दस्तावेजीकरण करके रुद्धियों को तोड़ा। अपने लेने के माध्यम से, उन्होंने न केवल वनजीवों की असुरक्षा को बल्कि महिला भावना की ताकत और लचीलेपन को भी प्रदर्शित किया। लतिका मानती है की जब भी आप किसी ऐसी जगह जाते हैं जहां पर आपकी प्रकृति अपने आप में संपूर्ण होती है तब ऐसा लगता है की आप भगवान्

कहानी मौजूद है जो इस भूमि की तरह ही मंत्रमुग्ध कर देने वाली है। ये कहानी है भारत की बाघ राजकुमारी लतिका नाथकी, जिसमें साहस, जुनून और प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम शामिल है। ऐसी दुनिया में जहां जंगली जानवर लगातार खतरे में हैं, लतिका आशा की किरण बनकर खड़ी है और जंगलों में रहने वाले जीवों की रक्षा के लिए अथक प्रयास कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस उपलक्ष्य में, लतिका नाथ के साथ हुए साक्षात्कार (इंटरव्यू) की एक डालक को प्रस्तुत किया है जिसकी यात्रा शक्ति, जुनून और बन्यजीव संरक्षण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में सामने आती है। भारत की बाघ राजकुमारी (दी टाइगर प्रिंसेस) के रूप में जानी जाने वाली लतिका की कहानी सिर्फ़ शाही विरासत के बारे में नहीं है, बल्कि उन महिलाओं की शक्ति का प्रमाण है जो बाधाओं को तोड़ती हैं और साहस और दृढ़ विश्वास के साथ अपनी नियति को आकार देती हैं। एक फोटोग्राफर के रूप में, लतिका ने जंगल के बीचों-बीच जाकर, उसकी सुंदरता और चुनौतियों का दर्शाने की आवाज़ स्विंगों को

अपना निशाना बनाया और जिसकी वजह से लतिका क्षेत्र अपनी निशाना बनाया और जिसकी वजह से लतिका क्षेत्र शोध तक छोड़नी पड़ी। परिवार और दोस्तों से सहायता मिलने के बावजूद यह यात्रा फूलों से भरी तो बिलकुल शर्करा नहीं थी। आज से करीब 30 दशक पहले जब मुझी भर और विज्ञान जैसे सब्जेक्ट में अपना भविष्य बनाने के बारे सोचती थी और उसमें भी अगर कोई महिला वन्य जीव (वाइल्डलाइफ) जैसी फील्ड में जाना चाहती हो जो वह बेहद जोखिम भरी होने के साथ साथ पुरुष प्रमुख थी उसमें आगे बढ़ना चाहती है तो यकीन मानिए समाज में कुछ पुरुष प्रधान सोच रखने वाले लोगों की कमी नहीं रही हाँ। जिन्होंने हर कदम पर मुश्किलें खड़ी की और हर कदम पर ये जताने की कोशिश की होगी की एक औरत कैसे कर सकती है इस फील्ड में और ये सिलसिला शुरूआत के कुछ सालों तक नहीं बिल्कुल बहुत लम्बा समय तक चलता रह। लेकिन वह मानती है कि जब आप खुद एक भरोसा करते हैं कि आपको इसी रास्ते में आगे बढ़ना है तो कोई मुश्किल नहीं। आपका रास्ता नहीं रोक सकती जब आपने अपने दौरे के लिए तैयारी की है।

दस्तावजाकारण करके रूढ़िया का तोड़ा। अपने लेस के माध्यम से, उन्होंने नकेल वन्यजीवों की असुरक्षा को बल्कि महिला भावना की ताकत और लचीलेपन को भी प्रदर्शित किया। लतिका मानती हैं की जब भी आपकिसी ऐसी जगह जाते हैं जहां पर प्रकृति अपने आप में संपूर्ण होती है तब ऐसा लगता है की आप भगवान के बनाये एक मंदिर में हो। और जैसे लोग खुद को फोकस्सड रखने के लिए मैटिडेशन करते हैं और जैसा उस समय वो लोग महसूस करते हैं, मुझे वैसा ही महसूस होता है जब में प्रकृति का नज़दीक होती है फिर चाहे वो हिमालय की छोटी हो या फिर घाना जंगल, या एक शेर के साथ बैठना या फिर किसी कल्पुष को समृद्ध से आते देखना या फिर एक चिड़िया को अपना घोसला बनाते हुए देखना ये नजारा सच में मंत्र मुग्ध कर देने वाला होता है। कैमरा के लेस से जब हम एक चीज पर फोकस करते हैं तब हम सारी दुनिया भूल जाते हैं और यहीं उनके लिए मैटिडेशन है। लतिका की यात्रा में एक गहरा मौद्रिक आया क्योंकि वह वन्यजीव संरक्षण के लिए एक सशक्त शक्ति के रूप में विकसित हुई। मुख्य रूप से पुरुषों के कब्जे वाले क्षेत्र में, उन्होंने निड़ी होकर भारत की लप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा के लिए अपने प्रयासों को

सियासत के अद्भुत प्रतीक और शिनाख्त के पद्धतिनहों

लोकसभा चुनाव की दृष्टि सामने आ रही है। पांचवीं बार हमीरपुर में लोकसभा के अपने अभेद्य दुर्ग पर अनुराग ठाकुर को भाजपा, लोकसभा में मुकाम दिखा रही है। शिमला से सुरेश कश्यप पर भरोसा जताने के बावजूद मंडी का जौहर दिखाने में भाजपा की सियासी किफायत और कांगड़ा की दौड़ में हम्मत दिखाने की कंजूसी अभी सूची से बाहर नहीं आई, लेकिन पार्टी का जलबा इस बार हमीरपुर संसदीय सीट के सामने मुख्यमंत्री सुखिंदर सुक्खुर के प्रभुत्व की मांद में ज़रूर नई कहानी लिखना चाहेगा। प्रदेश के विधानसभा चुनाव में एकत्रफा जीत के दो शंखनाद हुए थे, तो मंडी में भाजपा का चर्चस्व लोकसभा चुनाव की तासीर में पूर्व सरकार की छवि की पहरेदारी में क्या नया हासिल करता है, यह देखना होगा। यहां पूर्व मुख्यमंत्री जयराम की छत्रछाया में कोई नया नाम, कोई नया दांव, अपनी परख के हाथौड़े की तरह टन-टन कर रहा है, तो कांगड़ा में भाजपा की सूची उस शोहरत से मुकाबिल है जहां वर्तमान सांसद किशन कपूर ने सात लाख से अधिक वोट जुटा कर ऐतिहासिक काम किया था लोकसभा चुनाव की पात्रता में विधानसभा चुनाव की दक्षता का इनाम क्या होगा, इसका फैसला कांग्रेस को भी कांगड़ा में करना है। सुख्ख सरकार के गठन और सता के संगठन में दस विधायकों की जुंबिश लगाकांगड़ा के जिस आधार ने भाजपा को निराधार किया था, उसके आग्रालय में संसदीय चुनाव की अनुगृह चंबा तक अंखें खोल कर देख रही है तिजा से चंबा जो संसदीय विधानसभा अधिकार नहीं लैनी चाहती है।

जिले से कुल दो मत्रा, विधानसभा अध्यक्ष, बद्र कावनेट रक जा कुछ
नियुक्तियों की पैमाइश के बूते कांगड़ा संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस का
शीर्षासन इसलिए भी देखा जाएगा, क्योंकि सुधीर शर्मा जैसे चेहरे को
दराकिनार करके पार्टी अपने वजूद की नई पैरवाना कर रही है। यहां से सत्ता
के पाले में जितने पद भरे हैं, उनमें से शाहपुर के विधायक केवल सिंह
पठानिया का रुतबा अब हाथों में विषय लेकर अपनी मंजिलें बता रहा है
तमाम नियुक्तियों और तरह-तरह के पदभारों से सुसज्जित चहरों के बीच
केवल केवल सिंह पठानिया क्यों लोकसभा चुनाव से पूर्व अलग नज़र
आने लगे हैं, यह बदली कांगड़ा की सियासत में सरकार के खास नज़र
आने लगे हैं। केवल सिंह का गैर परिवारवाद तथा कभी कांगड़ा की
ललकार रहे मेंजर विजय सिंह मनकोटिया के व्यूह चक्र से निकल कर
मुख्य सचिवत क तक पहुंचना, वीरभद्र सिंह की आधा में चलती रही पार्टी की
नई प्रतिबाहा है। कांग्रेस बदल रही है और बदल रहा है इसकी आधा का
केंद्र हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस महज सत्ता नहीं सत्ता का नया
पौधारोपण भी है। इस लिहाज से यह सरकार, सरकार के मुखिया तथा
उपमुख्यमंत्री की सबसे बड़ी परीक्षा का द्वारा भी है। सरकार इसी संसदीय
सीट से पार्टी व दो सहयोगी निर्वालीयों समेत पांच विधायकों को बाहर कर
रास्ता दिखा कर अपना रास्ता साफ करती हुई दिखाई दी है, लेकिन अपने
कांटों के बाहर भाजपा के साप्राज्ञ की दीवारों पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष
जगत प्रकाश न जाव केंद्रीय मंत्री अनरण ठाकरे के हस्ताक्षर स्पष्ट हैं।



e-mail : prabhatmantraranchi@gmail.com

संसद में आवाज उठाना और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करना ही मेरा लक्ष्य होगा : समीर उरांव

प्रभात मंत्र संबाददाता

लोहरदगा : भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के ग्रन्थीय अध्यक्ष एवं भाजप लोकसभा प्रत्याशी समीर उरांव ने अनुसूचित जाति मोर्चा के बैठक बाह्यिकोंप्रिया स्थित भाजप जिला कायाकालमें शामिल हुए। इस दैवत अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सह सिपायिया विधानसभा विधायक किशन दास एवं पूर्व विधायक रामचंद्र नायक जिला कायाकालमें शामिल हुए। इस दैवत अनुसूचित जाति मोर्चा के बैठक की बैठक में आवाज उठाना ही मेरा लक्ष्य होगा। समीर उरांव ने अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष प्रकाश नायक की अध्यक्षता में हुई बैठक की शुरूआत महाराष्ट्र के निवारण पर माल्यांपण दीप प्रखलन एवं वर्दे मातसंग गीत के साथ शुभावत की गई। बैठक में अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर की।



मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय किशन दास बैठक को संबोधित करते हुए उसमें कहा कि आज हमारा समाज अगे बढ़ रहा है तो वह सिपायी नरेंद्र मोर्चा के नेतृत्व में बढ़ रहा है। शैक्षालय निर्माण हो आमुनान कार्ड हो 2000 प्रति 4 महीने में हो या फिर गरीब कल्याण योजना हो इन सभी योजनाओं का लाभ हम सभी अस्वलक्षण करता है कि समीर उरांव वर्दे प्रत्याशी नहीं अपने एक सदय प्रत्याशी है और एक लोग अपनी बहुमूल्य वोट देकर अपने आप को विजय बनाएं और समीर उरांव लोकसभा भेजें बाकी

से विजय बनाकर लोकसभा भेजें। समीर उरांव ने कहा कि लोहरदगा बैठक में संबोधित करते हुए बैठक एवं हाली मिलन का समारोह बैठक में हमें शामिल होने का सोचाया भिला। आप सभी अनुसूचित जाति समाज को में आस्वलक्षण करता है कि समीर उरांव वर्दे प्रत्याशी नहीं अपने एक सदय प्रत्याशी है और आप लोग अपनी मिल रहा है और आप लोग लोकसभा चुनाव में जो हमारे प्रत्याशी समीर उरांव को भारी बहुमत के अतर उरांव लोकसभा भेजें बाकी

लोकसभा चुनाव को लेकर तीसरा दल के रूप में लोकहित अधिकार पार्टी ने उतारा उम्मीदवार

प्रभात मंत्र संबाददाता

लोहरदगा : आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर तीसरी पार्टी उम्मीदवारों की घोषणा करने लगे हैं वही झारखंड में तीसरा दल के रूप में लोकहित अधिकार पार्टी ने अपना उम्मीदवार की घोषणा शुरू कर दिया है। लोकहित अधिकार पार्टी ने अंग झारखंड के सभी 14 लोकसभा सीटों पर दावेदारी पेश कर रही है और अपना उम्मीदवार चुनाव में खड़ा कर रही है।



अधिकार पार्टी जिला में तीसरा पार्टी के रूप में दिख रही है वही इस पार्टी द्वारा अधिकारीय और अत्यस्त्रखाली के बोट पर संबंधित करने का उम्मीद जिताया जा रहा है। उरांव ने क्षेत्र में जनसंपर्क तेज कर लगातार चुनावी मोड़ पर कार्यकर्ताओं से बैठक कर चुनाव को लेकर खानीति तैयार कर रहे हैं। लोकहित अधिकार पार्टी के प्रत्याशी रामचंद्र भगत 2019 में चुनाव को लेकर लोकहित

बैठक में बहुमूल्य बैठक के उपरांत शामिल होने के बाद उरांव ने कहा कि लोकहित अधिकार पार्टी ने अपना उम्मीदवार की घोषणा शुरू कर दिया है। लोकहित अधिकार पार्टी ने कई चुनावी बाबे किए हैं जिनमें क्षेत्र में निशुल्क करियर और व्यापक प्रमुख हैं। लोकहित अधिकार पार्टी के प्रत्याशी रामचंद्र भगत 2019 में

बैठक में बहुमूल्य बैठक के उपरांत शामिल होने के बाद उरांव ने कहा कि लोकहित अधिकार पार्टी ने अपना उम्मीदवार की घोषणा शुरू कर दिया है। लोकहित अधिकार पार्टी ने कई चुनावी बाबे किए हैं जिनमें क्षेत्र में निशुल्क करियर और व्यापक प्रमुख हैं। लोकहित अधिकार पार्टी के प्रत्याशी रामचंद्र भगत 2019 में

कुट्टी थाना परिसर में होली त्योहार को लेकर शांति समिति के हुई बैठक



प्रभात मंत्र संबाददाता

कुट्टी-लोहरदगा : होली त्योहार 2024 के अवसर पर शांति समिति की तारीखी कुट्टी थाना परिसर में प्रसाद, अंगरेजी कार्यक्रम भारती, महामद साजिद आवार, आपे प्रकाश साह, अब्दुल मनान अंसारी, कमरुल इस्लाम, रस्तम अंसारी, लाल राजश नाना शहदेव, अधिकारीय छात्र संघ अंसारी, सभी लोगों द्वारा अवधेश उरांव, नियांग लिया गया कि आगामी 25/3/2024 को होली त्योहार शांति समिति ने शामया जाएगा। इसी तारीखी कुट्टी थाना परिसर में अंगरेजी कार्यक्रम भारती, महामद साजिद आवार, आपे प्रकाश साह, अब्दुल मनान अंसारी, कमरुल इस्लाम अंसारी, लाल राजश नाना शहदेव, अधिकारीय छात्र संघ अंसारी, जेएमएम नेता संजु तुरी, पूर्व मुख्यमंत्री शुशील उरांव, मोजूद रह अंतिथियों का कार्यक्रम स्थल पर्वतने पर स्कूल के डायरेक्टर अल्लत अंसारी के अगुवाइ में बैठक के उपरांत शामया के रूप में दिख रही है। उरांव ने कहा कि लोकहित अधिकारीय छात्र संघ अंसारी के बोट पर संबंधित करने का उम्मीद जिताया जा रहा है। लोकहित अधिकार पार्टी ने कई चुनावी बाबे किए हैं जिनमें क्षेत्र में निशुल्क करियर और व्यापक प्रमुख हैं। लोकहित अधिकार पार्टी के प्रत्याशी रामचंद्र भगत 2019 में

बैठक में बहुमूल्य बैठक के उपरांत शामिल होने के बाद उरांव ने कहा कि लोकहित अधिकार पार्टी ने अपना उम्मीदवार की घोषणा शुरू कर दिया है। लोकहित अधिकार पार्टी ने कई चुनावी बाबे किए हैं जिनमें क्षेत्र में निशुल्क करियर और व्यापक प्रमुख हैं। लोकहित अधिकार पार्टी के प्रत्याशी रामचंद्र भगत 2019 में

बैठक में बहुमूल्य बैठक के उपरांत शामिल होने के बाद उरांव ने कहा कि लोकहित अधिकार पार्टी ने अपना उम्मीदवार की घोषणा शुरू कर दिया है। लोकहित अधिकार पार्टी ने कई चुनावी बाबे किए हैं जिनमें क्षेत्र में निशुल्क करियर और व्यापक प्रमुख हैं। लोकहित अधिकार पार्टी के प्रत्याशी रामचंद्र भगत 2019 में

कैरो थाना परिसर में शांति समिति की हुई बैठक



प्रभात मंत्र संबाददाता

कैरो-लोहरदगा : थाना प्रभारी कुलदीप राज टोपे, उरांव प्रमुख कुट्टी एनुल अंसारी, सांसद प्रतिनिधि कुट्टी भूषण, प्रसाद, अंगरेजी कार्यक्रम भारती, महामद साजिद आवार, आपे प्रकाश साह, अब्दुल मनान अंसारी, कमरुल इस्लाम, रस्तम अंसारी, लाल राजश नाना शहदेव, अधिकारीय छात्र संघ अंसारी, जेएमएम नेता संजु तुरी, पूर्व मुख्यमंत्री शुशील उरांव, मोजूद रह अंतिथियों के उपरांत शामया जाएगा। इसी तारीखी कुट्टी थाना परिसर में अंगरेजी कार्यक्रम भारती, महामद साजिद आवार, आपे प्रकाश साह, अब्दुल मनान अंसारी, कमरुल इस्लाम अंसारी, लाल राजश नाना शहदेव, अधिकारीय छात्र संघ अंसारी, जेएमएम नेता संजु तुरी, पूर्व मुख्यमंत्री शुशील उरांव, मोजूद रह अंतिथियों के उपरांत शामया जाएगा। इसी तारीखी कुट्टी थाना परिसर में अंगरेजी कार्यक्रम भारती, महामद साजिद आवार, आपे प्रकाश साह, अब्दुल मनान अंसारी, कमरुल इस्लाम अंसारी, लाल राजश नाना शहदेव, अधिकारीय छात्र संघ अंसारी, जेएमएम नेता संजु तुरी, पूर्व मुख्यमंत्री शुशील उरांव, मोजूद रह अंतिथियों के उपरांत शामया जाएगा। इसी तारीखी कुट्टी थाना परिसर में अंगरेजी कार्यक्रम भारती, महामद साजिद आवार, आपे प्रकाश साह, अब्दुल मनान अंसारी, कमरुल इस्लाम अंसारी, लाल राजश नाना शहदेव, अधिकारीय छात्र संघ अंसारी, जेएमएम नेता संजु तुरी, पूर्व मुख्यमंत्री शुशील उरांव, मोजूद रह अंतिथियों के उपरांत शामया जाएगा। इसी तारीखी कुट्टी थाना परिसर में अंगरेजी कार्यक्रम भारती, महामद साजिद आवार, आपे प्रकाश साह, अब्दुल मनान अंसारी, कमरुल इस्लाम अंसारी, लाल राजश नाना शहदेव, अधिकारीय छात्र संघ अंसारी, जेएमएम नेता संजु तुरी, पूर्व मुख्यमंत्री शुशील उरांव, मोजूद रह अंतिथियों के उपरांत शामया जाएगा। इसी तारीखी कुट्टी थाना परिसर में अंगरेजी कार्यक्रम भारती, महामद साजिद आवार, आपे प्रकाश साह, अब्दुल मनान अंसारी, कमरुल इस्लाम अंसारी, लाल राजश नाना शहदेव, अधिकारीय छात्र संघ अंसारी, जेएमएम नेता संजु तुरी, पूर्व मुख्यमंत्री शुशील उरांव, मोजूद रह अंतिथियों के उपरांत शामया जाएगा। इसी तारीखी कुट्टी थाना परिसर में अंगरेजी कार्यक्रम भारती, महामद साजिद आवार, आपे प्रकाश साह, अब्दुल मनान अंसारी, कमरुल इस्लाम अंसारी, लाल राजश नाना शहदेव, अधिकारीय छात्र संघ अंसारी, जेएमएम नेता संजु तुरी, पूर्व मुख्यमंत्री शुशील उरांव, मोजूद रह अंतिथियों के उपरांत शामया जाएगा। इसी तारीखी कुट्टी थाना परिसर में अंगरेजी कार्यक्रम भारती, महामद साजिद आवार, आपे प्रकाश साह, अब्दुल मनान अंसारी, कमरुल इस्लाम अंसारी, लाल राजश नाना शहदेव, अधिकारीय छात्र संघ अंसारी, जेएमएम नेता संजु तुरी, पूर्व मुख्यमंत्री शुशील उरांव, मोजूद रह अंतिथियों के उपरांत शामया जाएगा। इसी तारीखी कुट्टी थाना परिसर में अंगरेजी कार्यक्रम भारती, महामद साजिद आवार, आपे प्रकाश साह, अब्दुल मनान अंसारी, कमरुल इस्लाम अंसारी, लाल राजश नाना शहदेव, अधिकारीय छात्र संघ अंसारी, जेएमएम नेता संजु तुरी, पूर्व मुख्यमंत्री शुशील उरांव, मोजूद रह अंतिथियों के उपरांत शामया जाएगा। इसी तारीखी कुट्टी थाना परिसर में अंगरेजी कार्यक्रम भारती, महामद साजिद आवार, आपे प्रकाश साह, अब्दुल मनान अंसारी, कमरुल इस्लाम अंस

चलते चलते एक नजर डॉ विनय बने राजस्थान का चुनाव प्रभारी

नई दिल्ली: लोकसभा चुनावों के महेन्द्र भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य डॉ विनय सहस्रबुद्धे को राजस्थान का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। उनके साथ विजया राहटकर और पूर्व संसद प्रवेश वर्षी को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। साथ ही, राजस्थान बीजेपी के वरिष्ठ नामों और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सरीषुप्रीनियां को पार्टी ने हरियाणा में प्रदेश चुनाव प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है विधानसभा चुनाव में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया गया था। लेकिन अब प्रह्लाद जोशी खुद कनाटक के बाह्यावड से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में बीजेपी ने संगठन का लंगा अनुच्छेद खेने वाले डॉ विनय सहस्रबुद्धे को राजस्थान में प्रदेश चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। मूलतः महाराष्ट्र से आने वाले डॉ विनय सहस्रबुद्धे वर्तमान में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य हैं। वहीं, इससे पहले वे महाराष्ट्र से राजसभा सदस्य भी रह चुके हैं। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर भी उन्होंने काम किया है। उन्हें पार्टी का थिक टैक भी माना जाता है। प्रदेश चुनाव प्रभारी के साथ-साथ बीजेपी ने राजस्थान में दो संघ प्रभारीयों की भी नियुक्ति की है। वहले से राजस्थान में प्रदेश सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। काम कर रहे राष्ट्रीय मंत्री विजया राहटकर को पार्टी ने प्रदेश चुनाव सह प्रभारी की नेता हैं। लंबे समय से राजस्थान में प्रदेश सह-प्रभारी के पद पर काम कर रही हैं। ऐसे में उन्हें सहस्रबुद्धे के साथ प्रदेश चुनाव सह-प्रभारी लगाया गया है।

ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपित गिरफ्तार



रांची (प्रभात मंत्र संवाददाता): रांची के सुखदेवनगर थाना पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपितों को किशोरगंज स्थित श्री रोडवेज के पास से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के न्यू आनंदनगर गोड नंबर 7 निवासी मुकेश यादव और शोभा कुमार का नाम शामिल है। दोनों मूलसूप से बिहार के नालंदा जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपित मुकेश के पास से पांच पीस एल्युमिनियम फॉयल में रखे ब्राउन शुगर और मोबाइल बरामद किया, जबकि राकेश के पास से सात एल्युमिनियम फॉयल में रखे ब्राउन शुगर और मोबाइल बरामद किया है। पुलिस इस दौरान फरार आरोपित बबलू यादव उर्फ बबलू राय, कृष्णा यादव उर्फ कृष्णा राय, कहर्वा कुमार यादव उर्फ कहर्वा राय, दुर्लभ और पवन उर्फ पवन सोनी उर्फ परवले के तलाश में संभावित छिकन पर छापेमारी कर रही है। डीएसपी प्रकाश को इन ने गुरुवार को बताया कि गुरुवार मिली थी कि श्री रोडवेज किशोरगंज के पास कुछ लड़के अवैध मादक के बाहर चुनाव शुगर एवं गांजा की खरीद विक्री कर रहे हैं। सूचना पर छापेमारी के क्रम में सुकेश यादव और राकेश कुमार यादव को गिरफ्तार किया गया। आरोपितों के पास से 1.80 ग्राम ब्राउन शुगर सहित अन्य समान पुलिस ने बरामद किया है। अन्य फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

रांची (प्रभात मंत्र संवाददाता):

मन बहकने लगा, प्रीत का गीत गाकर बहकने लगा

* सूजन साहित्यिक मंच द्वारा हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन का हुआ आयोजित

वंदना से की। इसे आगे बढ़ाया बनारस से आये कवि नानेश त्रिपाठी ने अपनी हास्य व्यंग्य रचना की प्रस्तुति कर की। उनकी हे त्रहराज वसंत आओ... व मेरे साथ घुले रहते हैं रहर की दाल की तरह सुनाकर तात्यालय के प्रधान न्यायाधीश राम बचन सिंह और सेवानिवृत्त जज केन आपने पांच योगी ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र कर दीं वे श्रावितों को प्रस्तुति कर दीं। उनकी हे त्रहराज वसंत आओ... व मेरे देखा जो बीबी का



नजारा...सुकार सबको हसी से लोटपोट कर दिया। मंच पर गढ़वा का पुनर्माण ने होली खेले सबके संग, होली की प्रस्तुति कर दीं। उनकी हे त्रहराज वसंत आओ... व मेरे देखा जो बीबी का

सुबह तुझी से, चांदी निशा बनी है...की प्रस्तुति कर सबको प्रभावित किया। स्थानीय लोकगायक राजकिशोर राय इसके पूर्व संचार सीती के बाहर आये और सरकारी होली के रंग में डुकेन का प्रयास किया। सूजन के उपाध्यक्ष राजमणि राज ने अपनी रचना रोशन

युवाओं को साहित्य से जोड़ने की जरूरत संतुष्टि सिंह

इस अवसर पर प्राजन जिला जन शोभा शरण सिंह ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुये कहा कि युवाओं को साहित्य से जोड़ने की जरूरत है। समाज का निर्णय इसी तरह के सांस्कृतिक प्रश्न से होगा। उन्होंने कहा कि मोबाइल पर आज सबकुछ मिल जाता है, परंतु मोबाइल पर कार्यक्रम देखना और मर्यादा कार्यक्रम देखना दोनों में काफी अंतर होता है। यदि आप एप काफी कृष्ण सीधे देखते होते हैं।

कार्यक्रम ने ये दो उपायित: आपाजा जेता अलखनाथ पांडे, युवाओं आयोजित किया गया एवं लोकगायक राजकिशोर राय, योगी अमरजीत और अमित देव ने एप काफी कृष्ण सीधे देखते होते हैं।

पाठक ने, संचालन शंकर कैप्टन राय और कार्यक्रम की ओर से डॉ पातंजलि के संसारी, विजय पांडे, योगी अमरजीत और अमित देव ने एप काफी कृष्ण सीधे देखते होते हैं। यहाँ आप एप काफी कृष्ण सीधे देखते होते हैं।

समारोह में भाजपा के विभिन्न संघों के लोकगायक राजकिशोर राय आदि ने एप काफी कृष्ण सीधे देखते होते हैं।

माजपा जो कहती है, वही करती है : बीड़ी राम



कहती है। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री बन कर देश की खोई हुई प्रतिशोध को वापस लाने के लिए पूरी ईमानदारी से लगा है। बृथू रसर के कार्यकर्ता पार्टी के सबसे महत्वपूर्ण कार्यकर्ता होते हैं। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का अंद्रसंघ राम ने एप सुखी अंद्रसंघ के बाहर चुनाव लड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का अंद्रसंघ राम ने एप सुखी अंद्रसंघ के बाहर चुनाव लड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

कहती है। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री मंडल के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का अंद्रसंघ राम ने एप सुखी अंद्रसंघ के बाहर चुनाव लड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

कहती है। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री मंडल के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का अंद्रसंघ राम ने एप सुखी अंद्रसंघ के बाहर चुनाव लड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

कहती है। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री मंडल के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का अंद्रसंघ राम ने एप सुखी अंद्रसंघ के बाहर चुनाव लड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

कहती है। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री मंडल के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का अंद्रसंघ राम ने एप सुखी अंद्रसंघ के बाहर चुनाव लड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

कहती है। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री मंडल के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का अंद्रसंघ राम ने एप सुखी अंद्रसंघ के बाहर चुनाव लड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

कहती है। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री मंडल के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का अंद्रसंघ राम ने एप सुखी अंद्रसंघ के बाहर चुनाव लड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

कहती है। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री मंडल के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का अंद्रसंघ राम ने एप सुखी अंद्रसंघ के बाहर चुनाव लड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

कहती है। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री मंडल के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का अंद्रसंघ राम ने एप सुखी अंद्रसंघ के बाहर चुनाव लड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

कहती है। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री मंडल के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का अंद्रसंघ राम ने एप सुखी अंद्रसंघ के बाहर चुनाव लड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

कहती है। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री मंडल के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का अंद्रसंघ राम ने एप सुखी अंद्रसंघ के बाहर चुनाव लड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

कहती है। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री मंडल के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का अंद्रसंघ राम ने एप सुखी अंद्रसंघ के बाहर चुनाव लड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

कहती है। इस पार्टी के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री मंडल के अंदर ही चाय बेचने वाला देश का अंद्रसंघ राम ने एप सुखी अंद्रसंघ के बाहर चुनाव लड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।